सहज ग्रामीण मिशन

सहज योग के लाभ - ✦ उच्च मानवीय चेतना एवं सद्गुणों की प्राप्ति
✦ तनावमुक्त जीवन ✦ चित्त की एकाग्रता एवं स्मरण शक्ति में वृद्धि
✦ भावनात्मक, मानसिक व्याधियों एवं व्यसनों से मुक्ति
✦ आत्मविश्वास में बढ़त ✦ आत्मिक अनुभव की प्राप्ति

सहज कृषि से फायदें - ✦ अधिक उत्पादन ✦ रोग प्रतिरोधकता
✦ दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी ✦ प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा
✦ पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार ✦ पशु आहार की गुणवत्ता में सुधार

सहजयोग द्वारा स्वयं को पहचानो

आत्मसाक्षात्कार द्वारा जीवन मे सन्तुलन, शांति आनंद प्राप्त करें ...

सहज योग पूर्णत: नि:शुल्क है, अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें।

www.sahajayoga.org, www.sahajkrishi.org

Toll Free - 1800-2700-800

SahajaGramin sahaja_gramin

सहज योग क्या है?

सहज योग की खोज श्री माता जी निर्मला देवी जी ने 1970 में मानव के कल्याण के लिए की थी। सहज योग में कुंडलिनी जागरण द्वारा निर्विचार समाधि एवं मानसिक शांति से लोगों को आत्मबोध होता है और अपने आप को जानने में सहायता मिलती है। श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा विकसित इस योग को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के लिहाज़ से अत्यंत लाभदायक पाया गया है।

सहज योग में आसान मुद्रा में बैठकर ध्यान किया जाता है। ध्यान के दौरान इसका अभ्यास करने वाले लोगों में सिर से लेकर हाथों में एक ठंडी हवा का एहसास होता है । चिकित्सकों ने सहज योग के अन्य प्रभावों के बारे में भी बताया है। इस योग को करने से लोगों को तनाव से मुक्ति व आराम मिलता है।

सहज योग के अर्थ को यदि हम विस्तृत करें तो 'सह' का अर्थ है हमारे साथ, 'ज' का अर्थ है पैदा हुआ और 'योग' का अर्थ है जुड़ना। इस योग के घटित होते ही मानव पर परमात्मा की कृपा बरसने लगती है, जिसके चलते उसकी अंतर्जात प्रतिभा खिल उठती है, वह तनाव मुक्त जीवन पाता है साथ ही निःस्वार्थ प्रेम एवं आनंद में लिप्त हो जाता है|

प्रत्येक मनुष्य के शरीर में जन्म से ही एक सूक्ष्म तंत्र होता है। जिसमें मुख्य रूप से तीन नाड़ियां, सात चक्र और परमात्मा की दी हुई शक्ति विद्यमान है। परमात्मा की यही शक्ति जो कि कुंडलिनी शक्ति के नाम से जानी जाती है, हमारी रीढ़ की हड्डी के सबसे निचले भाग में सुप्त अवस्था में रहती है।

श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रणित सहजयोग के माध्यम से कुंडलिनी शक्ति की जागृति सहज में ही हो जाती है और मनुष्य योग अवस्था को प्राप्त करता है।

यह योग परमात्मा की सर्वव्यापी शक्ति से जुड़ने का अत्यंत सरल मार्ग है|

गुरु नानक साहेब, संत ज्ञानेश्वर जी आदि अनेक संतो के प्रवचन में सहज योग का उल्लेख मिलता है। सहज योग ध्यान के नियमित अभ्यास से कई लाइलाज बीमारियों के छुटकारा पाया जा सकता है। इससे मानसिक, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक सभी तरह के लाभ शरीर को मिलते हैं। यह आत्मज्ञान को प्राप्त करने की बहुत ही सुलभ ध्यान पद्धति है।

इस पद्धति को सीख कर हर इंसान अपने हर कार्य को सरल व अपने जीवन को सफल बना सकता है। इससे तनाव दूर होता है - इसका अभ्यास करने वाला व्यक्ति पूरा दिन उर्जा से परिपूर्ण रहता है।

सूक्ष्म मानव शरीर

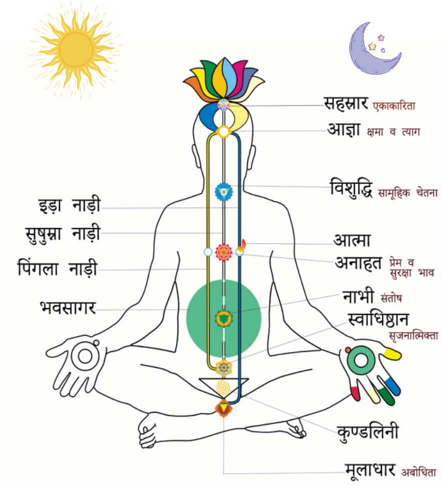

सहजयोग से लाभ

शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक व्याधियों के मुक्ति

तनावमुक्त जीवन एवं सम्पूर्ण व्यसनों से छुटकारा,
उच्च मानवीय चेतना एवं सद्गुणों की प्राप्ति,
सामान्य गृहस्थ जीवन के साथ उच्च आध्यात्मिक अवस्था की प्राप्ति।

विद्यार्थियों को लाभ

बच्चों का सर्वांगीण दैवीय विकास एवं भारतीय संस्कारों के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण,
चित्त की एकाग्रता एवं स्मरणशक्ति का विकास,
आत्मविश्वास एवं निर्णय लेने की क्षमता का विकास।

कृषकों को लाभ

फसल की प्राकृतिक आपदाओं से पूर्ण सुरक्षा,
फसल उत्पादनों में अभूतपूर्व वृद्धि,
दुग्ध उत्पादन/पशु उत्पादों में अभूतपूर्व वृद्धि,
पशुओं की रोगप्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि।

बीज का प्रस्फुटित होना एक जीवन्त प्रक्रिया है,
ठीक उसी तरह कुंडलिनी शक्ति जागरण भी एक जीवंत क्रिया है,
आइये अपने अंदर की ईश्वरीय शक्ति को
सहज योग द्वारा जागृत करें।

सहज योग कैसे करें...

1. **आत्म-साक्षात्कार प्राप्त करें -** जो भी कृषक या आमजन सहज कृषि करने में सच्ची रूचि रखते हों उन्हें सबसे पहले आत्म-साक्षात्कार प्राप्त करना चाहिए जो इस पद्धति की पहली सीढ़ी है। आत्म-साक्षात्कार का अनुभव वह चाहे किसी निकट वाले सहज योग ध्यान केंद्र से या किसी ऐसे परिचित व्यक्ति से जो सहज योग से जुड़ा हो प्राप्त कर सकते हैं।

2. **सहज योग में परिपक्वता प्राप्त करने के लिए ध्यान करें -** आत्म-साक्षात्कार प्राप्त करके अपने सूक्ष्म तंत्र की परिपक्वता लाना नितांत आवश्यक है। जब वह स्थिति आती है तभी यह शरीर यंत्र के रूप में कार्य करने के योग्य बनता है जहाँ परमात्मा की दैव्य शक्ति चैतन्य के रूप में सर के तालु भाग से और हाथों से बहने लगती है। यह एक ऐसा आनन्दीय अनुभव होता है कि इच्छा होती है की स्थिति में बने रहें। यही वह शक्ति है जिस को हम कृषि के कार्यकलापों में इस्तेमाल करते हैं।

हालाँकि जिस भी माध्यम से इच्छुक कृषिजन या साधक आत्म-साक्षात्कार को प्राप्त करेंगें वहाँ भी सहज योग के ध्यान की विधि से परिचित करायेगें, अपितु सुविधाजनक एवं स्मरण हेतु इस विधि को निम्नलिखित पंक्तियों तथा चित्रों द्वारा समझाया गया है।

कुण्डलिनी उठाना

यह प्रक्रिया हमारे कुण्डलिनी शक्ति को उठाने तथा हमारे चित्त को स्थिर करने में मदद करती हैं । यह ध्यान से पहले तथा ध्यान के बाद हमारे लिए मददगार है|

बायें हाथ की हथेली पेट के नीचे तथा शरीर के सामने रखेंगे ।

1. बायें हाथ को धीरे-2 उठाते हुए सिर के तालु भाग पर लेकर जाएंगे। जब बांया हाथ ऊपर जा रहा हो तो दायां हाथ घड़ी की सुई की दिशा में बांये हाथ के चारो तरफ घुमाना हैं।

2. दांया हाथ अंदर की तरफ से बाहर की ओर तब तक घुमाना है जब तक कि दोनों हाथ सिर के तालू भाग तक नहीं आ जाते । इस पूरी प्रक्रिया में अपना चित्त बांये हाथ की हथेली पर रखना है।

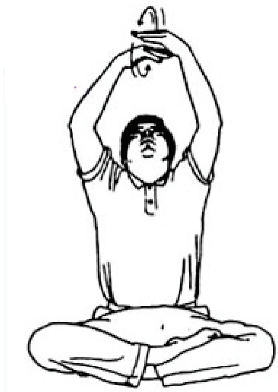

3. अब दोनो हाथों को सिर पर घुमाते हुए एक गांठ लगानी हैं।

4. इस प्रक्रिया को हम तीनो नाड़ियों के लिए तीन बार दोहराएंगे | पहली बार में एक गांठ लगेगी, दूसरी बार में दो गांठ लगानी है तथा तीसरी बार में तीन गांठे सिर के तालू भाग पर लगानी है।

बंधन लेना

बंधन लेना ना सिर्फ हमारी रक्षा करता हैं । अपितु यह हमारी दांयी तथा बांयी नाड़ियों को संतुलित रखता है। बंधन लेना ध्यान शुरु करने से पहले तथा ध्यान के पश्चात् आपके लिए मददगार होता है। बांया हाथ जिसकी हथेली ऊपर की ओर हो अपनी गोद में स्थिर रखें |

अपना सीधा हाथ बायीं तरफ के नितम्ब स्थान से :

(।) धीरे-धीरे उठाते हुए शरीर के दांये भाग से नीचे लेकर आते है।
(2) अब सीधे हाथ को वापस दांयी तरफ से सिर के तालु भाग से पुनः वापस लाते हुए (जहां से कुण्डलिनी का प्रवाह हो रहा है) शरीर के बांये भाग पर जहां से शुरू किया वहां पर वापस लाना है।
(3) यह एक बन्धन होता है | प्रत्येक चक्र को सुरक्षा प्रदान करने के लिए उपरोक्त प्रक्रिया को सात बार दोहराना।

संतुलन और ध्यान

ध्यानावस्था प्राप्त करने के लिए स्वयं को संतुलन में आना आवश्यक है (संतुलन का अर्थ - भूतकाल व भविष्यकाल से परे वर्तमान में आना हैं)। शरीर के बायें तथा दायें भाग को शुद्ध करके संतुलन प्राप्त किया जा सकता है । उसकी विधि निम्नलिखित हैं :-

परम पूज्य श्रीमाताजी की बिन्दी की ओर देखते हुए अपना बायां हाथ परमपूज्य श्री माताजी की ओर फैलाये रखें तथा दायां हाथ (हथेली नीचे को करके) पृथ्वी पर रखे - प्रार्थना करें कि **"परमपूज्य श्री माताजी कृपा करके मेरे शरीर के बायें हिस्से के विकारों को दूर कर दीजिए"** कृपया आप हमारी जड़ता को पृथ्वी में निकाल दीजिए।

थोड़ी देर इस अवस्था में बैठने के बाद - अपना दायां हाथ परम पूज्य श्री माताजी के फोटो के सम्मुख फैला लें तथा बायां हाथ (हथेली पीछे की ओर करके) आकाश की ओर उठालें । प्रार्थना करें कि **" परम पूज्य श्री माताजी कृपा करके मेरे शरीर के दायें हिस्से को शुद्ध कर दीजिए।"** कृपया आप हमारा अहंकार, क्रोध एवं कर्ता भाव आकाश में निकाल दीजिए, हमें कृपया विनम्रता प्रदान कीजिए। इस अवस्था में भी थोड़ी देर बैठें।

तत्पश्चात् अपने दोनों हाथ (हदय के स्तर पर लाकर) श्री माताजी की ओर फैला दें तथा पूर्ण हदय से प्रार्थना करें **" श्री माताजी, कृपया हमें निर्विचारिता प्रदान कर दीजिए । हमें ध्यान में ले जाईये ।”**

नियमित रूप से ध्यान करें

सहज योग में आत्म-साक्षात्कार प्राप्त करने के पश्चात् नियमित रूप से प्रातः कालीन एवं सायं कालीन ध्यान करना एक साधक के आध्यात्मिक जीवन को प्रगतिशील बनाता है। फलस्वरूप उसकी चैतन्यित जागरूकता बढ़ती है और उसके शरीर से जब वह दिव्य शक्ति बहने लगती है उसका उपयोग वह सकारात्मक कार्यों में करता है। यही वह शक्ति है जो एक कृषक खेती में बढ़ोतरी के लिए करता है या एक साधक अनेक कार्यों के लिए करता है।

सामूहिक सहज योग ध्यान में भाग लें

यद्यपि दो वक्त का ध्यान घर पर करना ही करना है तदापि सप्ताह में एक बार सामूहिक ध्यान में भागीदारी करना हमारी आध्यात्मिक प्रगति को सुनिश्चित करता है जो अत्यंत लाभकारी होता है।

प्रतिदिन चैतन्यित जागरूकता महसूस करें

प्रतिदिन नियमित ध्यान से साधक के हाथों में चैतन्य लहरियां एक दिव्य शक्ति के रूप में बहने लगती है जिसका प्रयोग एक कृषक अपनी खेती में ज्यादा उत्पादन के लिए कर सकता है। न केवल खेती अपितु इन चैतन्य लहरियों के उपयोग से कृषक अपने निजी जीवन को भी खुशहाल और समृद्ध बना सकता है। चैतन्य का यह बहाव एक साधक को प्रतिदिन अनुभव होना चाहिए, तभी इसका प्रभाशाली प्रयोग हो सकता है।

कृषि के लिए सहज योग तकनीकों को लागू करें

एक बार हम सहज योग में स्थापित हो गए तत्पश्चात चैतन्य की ऊर्जा , जो हमारे शरीर से प्रभावी रूप से बहने लगती है उसका लाभ हमें कृषि उत्पादन बढ़ने में सहायता प्रदान करता है। परन्तु सहज कृषि कैसे करनी है इसके लिए अनुभवी सहज योगियों की मदद लेना लाभकारी होगा, विशेषकर वह जिनको सहज कृषि के बारे में जानकारी होगी। इसके लिए निकटतम सहज योग ध्यान केंद्र से संपर्क करना चाहिए। कुछ उपयोगी जानकारी निम्नलिखित है।

सहज योग कृषि क्षेत्र के लिये भी एक वरदान है।

"..................कृषि के क्षेत्र में भी सहज योग में अनेक शोध कार्य हुए है। एक सहज योगी भाई जो कृषि विशेषज्ञ है, उन्होंने आत्मसाक्षात्कार के बाद चैतन्य लहरियों पर काफी शोध किया है। जल को चैतन्यित करके यदि आप पौधों को सींचे तो थोड़े से समय में ही आपको कई गुना फसल प्राप्त हो सकती है । यह कार्य भारत के राहुरी कृषि विश्वविद्यालय में हुआ है। इन लोगों ने पाया कि एक सर्वसाधारण पौधे और चैतन्यित जल से सींचे जाने वाले पौधे के विकास में बड़ा भारी अंतर होता है । कृषि के क्षेत्र में एक अन्य परिणाम जो हमने देखा है, वो ये है कि यदि आप चैतन्य दें तो सर्वसाधारण गाय भी बहुत सा दूध देंगी ।

भारत के कृषि क्षेत्र में भी इससे बहुत सहायता मिल सकती है । सरकार ने हमें बहुत सारी जमीन पट्टे पर दी है, जहाँ हम कृषि के क्षेत्र में प्रयोग करेंगे और निष्कर्ष निकालेंगे कि चैतन्य लहरों का किस प्रकार से उपयोग किया जाय । कुछ सहजयोगी किसानों ने बहुत बड़ा कार्य किया है । उन्होंने खोज निकाला है कि चैतन्य लहरियों का पशुओं तथा खेती पर कितना अच्छा प्रभाव पड़ता है ।"

परमपूज्य माताजी श्री निर्मलादेवी
(संदर्भ:निर्मल सुरभि पृ. सं. 236)

सहज का सार

श्री माताजी के अनुसार वाइब्रेशन [चैतन्य लहरियाँ / स्पंदन] एक जीवंत प्रक्रिया हैं जो सोचती है और कार्य करती है। जिस प्रकार लोहे पर चुम्बक का प्रभाव होता है, उसी प्रकार यह कार्य करती है। **इन चैतन्य लहरियों का प्रभाव जीवन्त चीजों पर क्रमश: पृथ्वी, पानी, वनस्पति, वातावरण के साथ-साथ मानव के उत्थान पर भी पड़ता हैं** | अत: हम सहज कृषि को बागवानी, फल, फूल, सब्जी, मसाले, औषधियाँ, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्ट, मुर्गी पालन, मशरूम, मछली पालन इत्यादि में प्रयोग कर अधिक गुणवत्ता वाले उत्पाद प्राप्त करके खुशहाल हो सकते हैं।

जब हम ध्यान करते हैं, तो हमारे चक्र साफ हो जाते हैं, शुद्ध और संतुलित होते हैं - जिसके कारण हमारे शरीर की विभिन्न बीमारियां (शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक) भी ठीक हो जाती हैं। इसलिए शुद्ध, प्रामाणिक ध्यान के फलस्वरूप, हमारी अन्य सभी समस्याएं भी हल हो जाती हैं।

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी

सहज कृषि तकनीक

चैतन्य लहरियों का प्रभाव मानव शरीर के उत्थान के साथ-साथ सभी जीवन्त चीजों पर क्रमशः पृथ्वी, पानी, वनस्पति, वातावरण पर कार्य करता है।जिसे हम सहज कृषि, बागवानी, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मुर्गीपालन, मशरूम, मछली पालन, टिश्यूकल्चर खाद्यान्न, फल, सब्जी, मसाले, औषधीय, फूलों की खेती इत्यादि में अपनाकर अधिक गुणवत्ता तथा उत्पादन लेकर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर खुशहाल हो सकते हैं। किसान भाईयों को सहज कृषि की विधियाँ समझाई जा रही है जो बहुत आसान व सरल है।

1. कृषक सहजयोगी हो, नियमित ध्यान धारण करता हो एवं सामूहिकता में कार्य करता हो ।

2. कृषक सहज कृषि के प्रभाव को जानने के लिए एक खेत में चैतन्यमय बीज व पानी का उपयोग करें तथा दूसरे खेत में कृषक द्वारा अपनाई जा रही विधि, खाद, दवा का उपयोग कर मूल्यांकन करें।

3. सर्वप्रथम श्री माताजी निर्मला देवी की फोटों के समक्ष बीज जो आप बोना चाहते हैं, (अनाज, दलहन, तिलहन, फल, फूल, सब्जी के बीज, पौध, धान, कटिंग गुलाब, गन्ना के टुकड़े एवं अन्य जीवन्त सामग्री) रखें, साथ ही एक पात्र (बाल्टी) में पानी प्रात:/ सांय को रखें, दूसरे दिन चैतन्यमय पानी को जहाँ आप बीज बो रहे थे, हाथ से छिड़के या फिर स्प्रेअर में भरकर भी छिड़क सकते हैं। पलेवा करते समय चैतन्यमय पानी को मटके में भरके उसमें छोटा-सा छेद कर पानी की नाली (धौरा) पर रखकर टपका-टपका कर पूरे खेत में पहुँचायें, बाद में चैतन्यमय बीज की बुवाई करें, ध्यान रहे कि प्रत्येक सिंचाई में श्री माताजी का चैतन्यमय पानी का उपयोग करें।

4. खेत की नकरात्मकता समाप्त करने के लिए खेत के चारों तरफ पानी वाला नारियल, गणेश अथर्वशीर्ष बोलते हुए स्थापित करें । सहज योगी / योगिनी सामूहिक ध्यान धारणा करते हुए श्री माता जी से प्रार्थना करें या खेत में सामूहिक हवन करें।

5.पानी एवं फसल को दोनों हाथ आगे करते हुए सामूहिक चैतन्य प्रवाहित करना, शाकम्भरी या ऋतुम्भरा मंत्र का जाप करते हुए फसल या जीवन्त चीजों पर चैतन्य देना।

6. परमपूज्य श्रीमाताजी से प्रार्थना करना कि यह खेत, फसल आपकी है, आप ही कर्ता है, आप ही भोक्ता है, कृपया मेरी खेती को अच्छा कर दीजिए।

कृषि विज्ञान केंद्र, अहमदनगर, महाराष्ट्र,
ग्वार परिक्षण रिपोर्ट - वर्ष २०२१
पैदावार - बेहद सकारात्मक बढ़त

फूल गोभी - बेहद सकारात्मक बढ़त
पालमपुर गुजरात

मूंगफली की पैदावार - बेहद सकारात्मक बढ़त
महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय,
उदयपुर राजस्थान।

पशु का शारीरिक वजन - 15% बढ़ा
वैज्ञानिक डॉ.हामिद मायलानी
वीएना, ऑस्ट्रिया

अनुसंधान कार्य राहुरी कृषि विश्वविद्यालय
उपलब्धि - बेहद सकारात्मक बढ़त

सूरजमुखी और मक्का
उपलब्धि (YIELD) बढ़ी - 20-25%
वैज्ञानिक डॉ. हामिद मायलानी, वीएना, ऑस्ट्रिया

चैतन्यित जल द्वारा उपचारित कुछ खाद्य पदार्थ

सहज योग सहज कृषि सिखाते हुए वरिष्ठ सहजयोगी जन

सहज कृषि के कुछ परिणाम

पंजाबराव बिहाड़े, महाराष्ट्र
9552273001

तरुण चौधरी , दादरी
80100 06868

नरेश कुमार साहू, राजस्थान
90792 38021

कैप्टन राजेशकुमार साहू, उत्तर प्रदेश
मचलाई, बदायूं

संदीप देशमुख,महाराष्ट्र
अनार के फल

पुरखा राम कप्तान , राजस्थान
9414560444

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

गोविंद वल्लभ पंत विश्वविद्यालय एवम प्रौद्योगिकी पंतनगर , उत्तराखंड

- लौकी 2.5 से 3 फुट लम्बी जबकि कंट्रोल में 1.5 फुट लम्बी
- टमाटर की भरपूर पैदावार
- आकर्षक ,मनमोहक बड़े साइज के फूलों की पैदावार

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ पुणे

- औसत पौधे के बढ़वार में वृद्धि
- अंकुरण क्षमता में वृद्धि
- उत्पादन क़्वालिटी में सुधार
- फसल पैदवार में वृद्धि
- पक्षियों के वजन में सुधार
- अण्डे देने की क्षमता में सुधार

} बेहद सकारात्मक बढ़त

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

फसल अनुसंधान केंद्र घाघरा घाट जिला बहराइच, नरेंद्र देव विश्वविद्यालय , फैजाबाद यु. पी.

- धान की पैदावार - बेहद सकारात्मक बढ़त
- गेहूं की पैदावार - बेहद सकारात्मक बढ़त
- पपीता- बेहद सकारात्मक बढ़त, चमकदार एवं बीमारी रहित

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

केंद्रीय शुष्क जोन अनुसंधान केंद्र जोधपुर (राजस्थान)

मूंग की पैदावार - बेहद सकारात्मक बढ़त

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

सरसों अनुसंधान केंद्र भरतपुर (राजस्थान)

सरसों की पैदावार - बेहद सकारात्मक बढ़त

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

केंद्रीय शुष्कउद्यानिकी संस्थान बीकानेर (राजस्थान)

जई चारा का उत्पादन - बेहद सकारात्मक बढ़त

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

कृषि विज्ञान केंद्र दहिगाओ अहमदनगर (महाराष्ट्र)

ग्वार की पैदावार - बेहद सकारात्मक बढ़त

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

सहज योग केंद्र जयपुर

(जी. डी. पारीक संयुक्त निर्देशक कृषि राजस्थान सरकार)

गेहूं की पैदावार - बेहद सकारात्मक बढ़त (2 वर्ष आधार पर)

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी उदयपुर

मूँगफली की पैदावार - बेहद सकारात्मक बढ़त

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

डॉ. हमीद माइलिनी वियना (ऑस्ट्रिया) यूरोप

पौधों के बढ़वार अनुपात सुरजमुखी में 75-80 प्रतिशत में बढ़कर 95-100 प्रतिशत जिसमें सुरजमुखी पैदावार 20-25 प्रतिशत बढ़ी

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

डॉ. हमीद माइलिनी वियना (ऑस्ट्रिया) यूरोप

पशुओं के वज़न में 15 प्रतिशत बढ़ोत्तरी

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य

डॉ. हमीद माइलिनी वियना (ऑस्ट्रिया) यूरोप

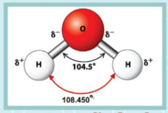

पानी के molecular संरचना में परिवर्तन - 104.5° से बढ़कर 108.45° , पानी की घुलनशीलता में सुधार

- फसल पैदावार में वृद्धि
- पक्षियों के वजन में सुधार

सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री सामलभाई पटेल
पालनपुर
मो.9429088269

परिणाम
सब्जियों का अधिक उत्पादन
(आलू ,फूलगोभी ,कुकबिटीज़),
5 किलो की फूलगोभी

सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री राजेश माली
उज्जैन मध्यप्रदेश
मो. 9981508848

परिणाम
गुलाब आकर्षक, महकदार
बड़े साइज होने से मुनाफा
ज्यादा

सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री प्रियरंजन पलामू
डाल्टनगंज झारखंड

परिणाम
सहज पद्धति से मुर्गी
पालन,धान ,पपीता की खेती
से फायदा

सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री संदीप देशमुख
सांगली महाराष्ट्र कृषि भूषण
अवार्ड 2018 से सम्मानित
मो: 9665946189

परिणाम -
सहज कृषि पद्धति से अनार का
दुगना मुनाका एक अनार वजन
800 ग्राम से 1 किलो तक

सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री भरत कुमार पटेल
पालनपुर, गुजरात

परिणाम
तरबूज उपज में वृद्धि

सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री टंका गौतम
चितवन नेपाल

परिणाम
पपीता का अधिक उत्पादन
बीमारी रहित

सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री नरेश साहु छावड़ा
जिला बरन, राजस्थान
मो.9079238021

परिणाम

पत्तागोभी व लहसुन का
अधिक उत्पादन

सहज योग कृषि को मिला श्रेष्ठ पुरुस्कार

कुलपति कृषि विश्वविद्यालय अजमेर, आईसीएआर नई दिल्ली, कृषि उपज मंडी उज्जैन, शेतकारी मेला अहमदनगर, उड़ीसा और महाराष्ट्र सरकार द्वारा सहज कृषि को उत्कृष्टता पुरस्कार।

कृषि विज्ञान मेला - 2014-15
जिला - उज्जैन

प्रशस्ति पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मेसर्स/विभाग/श्री राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट नई दिल्ली ने आत्मा योजना अन्तर्गत कृषि विज्ञान मेला दिनांक 2 से 4 मार्च 2015 उज्जैन में स्टाल/प्रदर्शनी में सक्रिय रूप से भाग लेकर प्रशंसनीय कार्य किया। तृतीय स्थान प्राप्त किया।

स्थान : कृषि उपज मण्डी प्रांगण, उज्जैन (म.प्र.) दिनांक : 2 से 4 मार्च 2015 तक

सहज ग्रामीण मिशन, उत्तराखण्ड 2023

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें...

संरक्षक मण्डल

1	श्री जी डी पारीक	9828451514	राष्ट्रीय समन्वयक सहज ग्रामीण मिशन
2	श्री पी एस रावत	9411140821	राष्ट्रीय ट्रस्टी
3	श्री सतीश सिंघल	8218385053	सहजयोग, उत्तराखंड राज्य समन्वयक

सहज ग्रामीण मिशन, उत्तराखंड

1	श्री मयंक गुप्ता	9719403669	राज्य समन्वयक
2	श्री धर्मेन्द्र बसेरा	9412958278	सह राज्य समन्वयक

ध्यान केंद्रों के अनुसार बनी टीमें

	देहरादून	
1	श्री अरविन्द मालिक (समन्वयक)	7906000826
2	श्री सुनील चौधरी	9058881303
3	श्री राम किशोर शर्मा	9557182735
4	श्री के एन बहुगुणा	9012168610
5	श्री जी एस टोलिया	9569675975
6	श्री राकेश शर्मा	9219883338
7	श्री ए आर नौटियाल	9412921400
8	श्री सतेन्द्र बिष्ठ	9897336145
9	श्रीमती कान्ति गुसाईं	8077416845
10	श्रीमती मीना गुसाईं	6398528595
	हरिद्वार	
1	श्री अजय चौहान (समन्वयक)	9759454700
2	श्री राजेश शर्मा	9837886286
3	श्री मुकेश (पूरनपुर)	7248723852
4	श्री विनय कुमार (पूरनपुर)	9917111820
5	श्री सुशील गुप्ता (पूरनपुर)	9756391465
6	श्री बृज पाल सिंह	8923028461
7	डॉ.कुलदीप (औरंगाबाद)	9012782072
8	श्रीमती कुसुम (रानीमजरा)	8791194484
	रुड़की	
1	श्री सुशील त्यागी (समन्वयक)	8057070359
2	श्री नरेंद्र सैनी	9837951636
3	श्री मदन कंबोज	9997313039
4	श्री संजय कंबोज	9897037276
5	श्री सूर्यकांत सैनी	9760994566
6	श्रीमती जौली सिंह	8218104529
7	श्रीमती टीना शर्मा	7906792608
	हल्द्वानी	
1	श्री मदन नाथ गोस्वामी	9568736530
2	श्री बी सी जोशी	7905080747
3	श्री आर एस भण्डारी	9719778969
4	श्री घनश्याम बोहरा	9761935855
	रामनगर	
1	श्री मनोज रावत	9837500642
	बाजपुर	
1	श्री मनोज चौबे	8433252079
2	श्री चंद्र प्रकाश	9412970097
	रुद्रपुर	
1	श्री आनंद सिंह (समन्वयक)	8650124517
2	श्री सुरेन्द्र रहेजा	9837217284
3	चंचल अरोरा जी	8279777921
4	उर्मिला जी	8433128704
	खटीमा	
1	श्री अनिल सिंह राणा	8630024075
2	श्री सोमू त्रिपाठी	9456591543

उत्तराखण्ड के अन्य स्थानों पर संपर्क हेतु कृपया QR कोड को स्कैन करें

SahajaGramin sahaja_gramin